

मिताशन (1. मित + श्च^०) adj. *mäßig* —, *wenig essend* JĀś. 3, 54.

1. मिताहार (1. मित + हार^०) m. *mässiges Essen* DAČAK. in BENV. Chr. 180, 4. Verz. d. Oxf. H. 237, a, No. 568.

2. मिताहार (wie eben) adj. *wenig Speise zu sich nehmend* MBH. 3, 10898. Vgl. परिमिताहार MBH. 1, 4623. ŚIV. 1, 5.

1. मिति (von 3. मा) f. 1. *Maass, Gewicht, Worth*; = रेपत्य H. an. 2, 186. = मान ebend. und ÇANDAR. im ÇKDR. COLDR. Alg. 139. ÇĀñġ. SAñġ. 3, 11, 55. VARĀH. BĀH. S. 69, 25. — 2) *richtige Erkenntnis*, = विज्ञान und घवच्छेद ÇANDAR. मितिः सन्यकपरिच्छक्तिः KUSUM. 46, 4. MĀND. Up. 11 (hier mit 1. मि in Zusammenhang gebracht). — Vgl. माति.

2. मिति (von 1. मि) f. *das Einsenken, Aufrechtung*: स्वव्रणाम् RV. 7, 35, 7. — Vgl. सु^०.

मितोक्ति (1. मित + उ^०) f. *weniges Reden* Verz. d. Oxf. H. 237, a, No. 568.

मित्र (von मित्र), मित्रति *stich als Freund benehmen*: मित्रत्यन्योऽन्यम् ÇATR. 14, 82.

मित्र (von मिथ् mit suff. त्र, also ursprünglich मित्र; vgl. noch मेदिन्) URĀDIS. 4, 168. Accent eines auf मित्र ausgehenden Namens P. 6, 2, 165. 1) m. a) *Geführte, Freund*: (श्रियः) मतेषु मित्रः RV. 1, 67, 1. प्रिय 75, 4, 6, 48, 1. सुधित 4, 6, 7. 5, 3, 2. शेव 1, 88, 6. 156, 1. 170, 5. 2, 4, 1. 3. रासि नयं रासि मित्रमस्मे 11, 14. 8, 31, 14. 5, 82, 14. 10, 12, 5. 89, 9. न मित्रं नयेते वंशम् AV. 5, 19, 15. 11, 9, 2. TAITR. ĀR. 10, 80 (anschliessend an RV. 5, 82, 14). KĪṬH. 27, 4. Spr. 2272. An den beiden letzten Stellen masc. wegen Wortspiels. — b) N. eines Āditja, welcher gewöhnlich mit Varuṇa zusammen angerufen wird, zu denen häufig als dritter Arjamaṇ kommt. Ueber Wesen und Attribute des Gottes vgl. Roth in Z. d. d. m. G. 6, 70 und J. MUIR, J. A. S. n. s. I, 77. fgg. und die Lieder RV. 3, 89, 5, 64—72. 6, 67. 7, 60. fgg. 8, 25. — NIGH. 5, 4. NID. 10, 21. Āditi heisst seine Mutter RV. 8, 47, 9. अर्क्षे मित्रो रात्रिर्वह्याः AIR. Br. 4, 10. TBa. 1, 7, 40, 1. PĀÑĀV. Br. 25, 10, 10. मित्रावरुणा RV. 6, 11, 1. 7, 41, 1. VS. 10, 1. उडु त्यञ्जुर्महि मित्रयोरा एति प्रियं वरुणयोः RV. 6, 51, 1. ÇAT. Br. 1, 8, 2, 7. 27. 2, 4, 4, 18. ĀÇV. GĀH. 3, 10, 11. मित्रावरुणो R. 3, 78, 81. MĀRK. P. 111, 9. मित्रावरुणयोर्लोकाः MBH. 3, 8113. द्यगस्त्यश्च वसिष्ठश्च मित्रावरुणयोर्द्वेषो BHĀG. P. 6, 18, 5. मित्रावरुणयोरयनम् N. einer Feler ĀÇV. Ça. 12, 6. PĀÑĀV. Br. 25, 10, 9. ÇĀñġ. Ça. 13, 29, 26. 14, 70, 1. 72, 1. मित्रावरुणयोरिष्टिः BHĀG. P. 9, 1, 18. MĀRK. P. 111, 7. मित्रावरुणयोः सेयोऽयनम् N. eines Sāman Ind. St. 3, 229, b. Mitra heisst पूतदत्त RV. 1, 2, 7. मौडुम् 4, 3, 5. सत्यराघम् 5, 40, 7. रेवत् 8, 47, 9. यातयञ्जन 3, 59, 5. प्रियतमो नृणाम् 7, 62, 4. प्रुचि TBa. 1, 7, 4, 8. सत्यानामधिपतिः TS. 3, 4, 5, 1. 4, 8, 10, 2. TBa. 3, 11, 4, 1. ÇAT. Br. 5, 3, 2, 8. KĪṬH. Ça. 15, 4, 12. मित्रो मित्रियाडुत न उहृष्येत् (अर्क्षः) RV. 4, 55, 5. जनं न मित्रो यंतति ब्रुवाणाः 7, 36.

2. मृक्षान्मित्रो न दर्शतिः 9, 2, 6. VS. 11, 58. die Sonne heisst *Auge des Mitra-Varuṇa* RV. 7, 61, 1. 63, 1. 10, 37, 1; vgl. VS. 5, 84. ÇĀñġ. Ça. 4, 7, 5. न वै मित्रः कं चन किन्ति न मित्रं कथन किन्ति ÇAT. Br. 5, 3, 2, 7; vgl. 4, 1, 4, 8. ०गुप्त 6, 5, 2, 14. 11, 4, 2, 3. 11. ÇĀñġ. Ça. 10, 15, 9. ĀÇV. GĀH. 2, 9, 5. — MBH. 1, 2523. 4823. HARIV. 176. 593. 11549. 12456. 12911. 13143. 14166. VP. 122. BHĀG. P. 2, 5, 80 (vgl. Verz. d. Oxf. H. 104, b, 25). 6, 6, 87. WEBER, RĪMAT. Up. 304. 313. VARĀH. BĀH. S. 53, 47. 98, 4. Gottheit des Sternbildes Anurādhā TBa. in Z. f. d. K. d. M. 7,

V. Theil.

270. WEBER, Nax. 2, 300. 374. GĪOR. 32. fg. 94. पायुरघ्यात्ममित्याङ्क-
र्यथातन्त्रार्थदर्शिनः । विसर्गमधिभूतं च मित्रस्तत्राधिदेवतम् ॥ MBH. 12,
11608. SUÇA. 1, 311, 7. M. 12, 121. BHĀG. P. 2, 6, 8. 10, 27. 3, 6, 20. Mitra
Vater des Utsarga (der Entloerung) 8, 18, 5. मित्रो = मित्रावरुणो 2,
1, 32. neutr. MBH. 14, 681 (in beiden Ausgg.) und SUÇA. 1, 311, 7. — c)
die Sonne AK. 1, 1, 2, 31. 3, 4, 25, 169. H. 96. an. 2, 448. MND. r. 78. HALĪ.
1, 87. स्वस्ति मित्रः सक्दादित्यैः R. GOAR. 2, 25, 22. Spr. 1663. 1679.
2272. An den drei letzten Stellen zugleich *Friend*. — d) N. pr. eines
Marut's HARIV. 11545. — e) N. pr. eines Sohnes des Vasishṭha BHĀG.
P. 4, 1, 41. — 2) f. श्रा N. pr. a) einer Apsaras MBH. 13, 1424. चित्रा
ed. Bomb. — b) der Mutter Maitreja's und der Maitreji ÇĀñġ. zu
KĪND. Up. S. 91. BHĀG. P. 3, 4, 86. Ind. St. 1, 38. = सुमित्रा (die Mutter
Çatruḡha's) ÇANDAR. im ÇKDR. मित्रि Wilson nach ders. Aut. — 3)
n. a) *Freundschaft*: मित्रं कृणुष्वं ऋतुं मृकतां नः RV. 10, 34, 14. श्रा च ग-
च्छान्मित्रमेना दधाम 108, 8. — b) *Friend* SIDDH. K. 249, b, 2. AK. 2, 8, 2,
12. TRIK. 3, 5, 8. H. 730. H. an. MND. HALĪ. 2, 278. विश्वस्य ह वै मित्रं
विश्यामित्रं श्रास AIR. Br. 6, 20. 8, 27. पत्नी हि सर्वस्य मित्रम् TS. 6, 2, 9,
2, 4, 8, 1. मित्राण्येवास्यै कल्पयति TBa. 1, 7, 8, 7. 2, 2, 3, 2. पतरं वै संय-
त्तयोर्मित्रमागच्छति स जयति ÇAT. Br. 1, 5, 8, 17. 4, 1, 4, 8. 5, 3, 5, 18. 11,
4, 8, 20. PĀ. GĀH. 2, 7. SHAPV. Br. in Ind. St. 4, 40. M. 3, 138. 144. 4, 253.
MBH. 1, 5916. नास्ति भार्यासमं मित्रं नरस्यास्य भेषजम् 3, 2326. 2629.
मित्रं मिन्देर्नन्दतेः प्रीयतेर्वा संत्रायतेर्भिनुतेर्मादतेर्वा 8, 1992. R. 1, 82, 9. 2,
68, 1. श्रमित्रो मित्ररूपेण धातुस्त्वमसि 3, 51, 9. MND. 17. 97. KĀM. NITRIS.
4, 68. VARĀH. BĀH. S. 78, 6. 87, 18. 89, 11. ०वरुणं *das Wählen von Freun-*
den 99, 6. श्रौरसं कृतसंबन्धं तथा वंशक्रमागतम् । रतितं व्यसनेभ्यश्च मित्रं
ज्ञेयं चतुर्विधम् ॥ Spr. 583. कर्तव्यानि च मित्राणि दुर्बलानि बलीनि च
608. 2201. न कश्चित्कस्यचिन्मित्रं न कश्चित्कस्यचिन्मित्रः । कारुणादेव ज्ञा-
यते मित्राणि रिपवस्तथा ॥ 1344. न मातरि न दारेषु न सोदर्ये न चात्मजे ।
विश्वम्भस्तादृशः पुंसो यादृशित्रे निरसरे ॥ 1432. माता मित्रं पिता चेति
स्वभावान्चित्तयं क्वितम् 2166. 5116. स्वभावसं तु यन्मित्रम् 5349. KARṆĀ.
4, 55. VET. in LA. (II) 6, 3. 9, 8. HIT. 17, 17. सुहृन्मित्रं न लभते MBH. 5,
1005. स^० 7449. In der Politik heisst *der unmittelbar an den benach-*
barten Fürsten gränzende Fürst — der Freund AK. 2, 8, 4, 9. H. 732. M.
7, 158. 164. fgg. 177. 180. 188. 206. fgg. Die Reihenfolge ist: श्रि, मित्र,
श्रिमित्र, मित्रमित्र, श्रिमित्रमित्र KĀM. NITRIS. 8, 16. मित्रामात्यसहायाः
Spr. 2204. 4722. Auf Planeten übertragen VARĀH. BĀH. 2, 16. fgg. 8, 10,
9, 8. 10, 4. — c) Bez. *einer Art des Fochtens* HARIV. 15978, v. l. für भिन्न.
— Vgl. श्र^०, श्रश्च^० (N. pr. eines Mannes Ind. St. 4, 374), कु^०, ऋग^०,
दास^०, दुर्मित्र, क्रोध^०, धन^०, पुरु^०, पुष्य^०, पूष^०, प्रति^० (fehlerhaft für
प्रत्यमित्र, wie die ed. Bomb. hat), बडु^० (*viele Freunde habend* VARĀH.
BĀH. S. 101, 10 = BĀH. 16, 10), बुद्ध^०, ब्रह्म^०, भानु^०, भूमि^०, मार्ग^०, मू-
ल^०, वत्स^०, वरुण^०, विश्वा^०, विश्वु^०, श्राद्ध^०, साध^०, सिन्धु^०, सु^०, सुधा^०,
सोम^०, मैत्र, मैत्रि, मैत्रेय, मैत्र्य.

मित्रक (von मित्र) m. N. pr. eines Mannes Verz. d. Oxf. H. 53, b, 84.
— ०मित्रकाः BHĀG. P. 2, 5, 80 und Verz. d. Oxf. H. 104, b, 25 ist in मित्र
+ क (= प्रजापति) zu zerlegen.

मित्रकरणा (मित्र + 2. क^०) n. *das stich-zum-Freunde-Machen* P. 1, 3,
25, VArtt. 1.